

SHRI ILAIYARAAJA

Shri Ilaiyaraaja is an Indian film composer who works in the South Indian cinema but predominantly in Tamil since the late 1970s. Regarded as one of the greatest music composers in India, Ilaiyaraaja is also an instrumentalist, conductor, singer, and songwriter. He has composed more than 6000+ songs and provided film scores for more than 1000 films, particularly being acclaimed for his background scores.

2. Born on June 1, 1947, Shri Ilaiyaraaja integrated Folk—in Tamil—and introduced western musical sensibilities into the South Indian musical mainstream. He is also known for creating music by fusing symphonic orchestration with traditional Indian instrumentation, often performed by Budapest Symphony Orchestra. In 1993, he organised a full symphony performed by the Royal Philharmonic Orchestra in London and thus became the First Indian to compose a full symphony, with Ravi Shankar being the only other Indian to do so. He is also the first Asian to compose a full symphony performed by the Royal Philharmonic Orchestra.

3. In the 2000's, Shri Ilaiyaraaja composed a variety of non-film music, including religious and devotional songs, an oratorio, and world music. He is usually referred to by the title Isaignani, or as The Maestro. He is a gold medalist in classical guitar from Trinity College of Music, London. In 2003, according to an international poll conducted by BBC, people from 155 countries voted his composition Rakkamma Kaiya Thattu from the 1991 film Thalapathi as fourth in the world's top 10 most popular songs of all time. He was also nominated in the Best Indian album Music Awards category at US based Just Plain Folks Music Organization, which is the largest grassroots music organization in the world, and stood third for his "Music Journey: Live in Italy". Popular world cinema portal Taste of Cinema placed Ilaiyaraaja at the 9th position in its list of 25 greatest film composers in the cinema history. In a poll conducted by CNN-IBN celebrating 100 years of Indian cinema in 2013, Ilaiyaraaja was voted as the greatest music composer of India with a maximum of 49%.

4. Shri Ilaiyaraaja has received several honours and awards. He won five Indian National Film Awards (the highest film honor in India); three for Best Music Direction and two for Best Background Score. In 2010, he received Padma Bhushan, awarded by the Government of India. In 2012, he received the Sangeet Natak Akademi Award for his creative and experimental works in music field. In 2014, he has been chosen for his outstanding contribution to the Indian film music and was awarded the SIES Sri Chandrasekarendra Saraswati National Eminence award. In 2015, he was also honoured with the Centenary Award for lifetime achievement at the 46th International Film Festival of India (IFFI) at Panaji, Goa. On December 31, 2015, he was nominated by the Kerala Government for Nishagandi Puraskaram, the top award conferred by the Kerala Government's Tourism Ministry, for his artistic excellence and contributions to the Indian film industry.



श्री इलयराजा

श्री इलयराजा एक भारतीय फिल्म संगीतकार हैं जो 1970 के दशक से दक्षिण भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में, मुख्य रुप से तमिल सिनेमा के लिए कार्य कर रहे हैं। भारत के एक महान सम्मानित संगीतकार के साथ साथ आप वादक, संवाहक, गायक तथा गीतकार भी हैं। आपने 6000 से अधिक गीतों की रचना की है और 1000 से अधिक फिल्मों में काम किया है आप खासतौर से अपने पार्श्व संगीत के लिए प्रसिद्ध हैं।

2. आपका जन्म 1 जून 1947 को हुआ। आपने तमिल में लोक संगीत को समेकित किया तथा दक्षिण भारतीय संगीत की मुख्यधारा में पाश्चात्य संगीत के बोध की शुरूआत की। आप बुडापेस्ट सिम्फनी ऑरकेस्ट्रा द्वारा अकसर बजाए गए सिम्फोनिक ऑरकेस्ट्रा को पारंपरिक भारतीय वाद्य यंत्रों के साथ मिलाकर संगीत की रचना करने के लिए जाने जाते हैं। वर्ष 1993 में, आपने लंदन में रॉयल फिलारमोनिक ऑरकेस्ट्रा द्वारा प्रदर्शित पूर्ण सिम्फनी का आयोजन किया और इस प्रकार पूर्ण सिम्फनी तैयार करने वाले आप पहले भारतीय बने। आपके अलावा यह गौरव केवल रवि शंकर जी को ही प्राप्त है। आप रॉयल फिलामोनिक ऑरकेस्ट्रा द्वारा प्रदर्शित पूर्ण सिम्फनी तैयार करने वाले प्रथम एशियाई व्यक्तित्व हैं।

3. वर्ष 2000 में आपने विभिन्न गैर-फिल्मी संगीतों की रचना की जिसमें धार्मिक तथा भक्तिपूर्ण गीत, कीर्तन तथा संगीत जगत शामिल है। आपको अकसर इसैगनॉनी अथवा उस्ताद के नाम से संबोधित किया जाता है आपको लंदन के ट्रिनिटी कॉलेज ऑफ म्यूजिक के शास्त्रीय गिटार में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है। 2003 में, बीबीसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय मतदान के अनुसार 155 देशों के लोगों ने आपकी 1991 की फिल्म थलापाती के आपके गीत रक्कम्माकैय्या थाटू को विश्व के 10 सर्वाधिक प्रसिद्ध सदाबहार गीतों में चौथा स्थान दिया गया है। आप अमेरिका आधारित जस्ट प्लेन फोल्क्स म्यूजिक ऑरगनाईजेशन, जोकि विश्व में सबसे बड़ी संगीत निर्वाचक संस्था है, उसमें बेस्ट इंडियन एलबम म्यूजिक अवार्ड श्रेणी में नामांकित हुए तथा आपकी "म्यूजिक जरनी: लाइव इन इटली" के लिए आपको तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। बहुचर्चित विश्व सिनेमा पोर्टल टेस्ट ऑफ सिनेमा ने सिनेमा के इतिहास में 25 महानतम संगीतकारों की सूची में आपको 9वें स्थान पर रखा। वर्ष 2013 में सीएनएन-आईबीएन द्वारा भारतीय सिनेमा के 100 वर्षों के महोत्सव पर एक पोल आयोजित किया गया जिसमें आपको 49 प्रतिशत वोट मिले और आपको भारत के महानतम संगीतकार के रूप में चुना गया।

4. आपको बहुत से सम्मान तथा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। आपको पांच भारतीय फिल्म राष्ट्रीय पुरस्कार (भारत में सर्वोत्तकृष्ट फिल्म पुरस्कार) मिले हैं; तीन सर्वोत्तम संगीत निर्देशन के लिए तथा दो सर्वोत्तम पार्श्व संगीत के लिए मिले। वर्ष 2010 में भारत सरकार ने आपको पद्म भूषण से सम्मानित किया। वर्ष 2012 में संगीत के क्षेत्र में आपके रचनात्मक तथा प्रायोगिक कार्य के लिए आपको संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ। भारतीय फिल्म संगीत में उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2014 में आपको मनोनीत किया गया तथा एसआईईएस श्री चंद्रशेखरेन्द्र सरस्वती नेशनल एमीनेन्स अवार्ड प्रदान किया गया। वर्ष 2015 में, पणजी, गोवा भारत के 46वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में लाइफ टाइम अचीवमेंट के लिए शतवर्षीय (सेंटेनरी) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपके कलात्मक सौष्ठव तथा भारतीय फिल्म जगत में आपके योगदान के लिए आपको 31 दिसंबर 2015 में, केरल सरकार द्वारा "निशागंधि पुरस्कारम" के लिए मनोनीत किया गया जोकि केरल सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा दिया जाने वाला सर्वोत्तकृष्ट पुरस्कार है।